[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

K

Sr. No. of Question Paper : 5404

Unique Paper Code : 2132101103

Name of the Paper : Indian Social Institutions and Polity, DSC-3

Name of the Course : **B.A. (H.) Sanskrit, NEP-UGCF -2022**

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश/Instructions for candidates:

(i) इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.

(ii) इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत हिन्दी *अथवा* अंग्रेजी,** किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Answers may be written in **Sanskrit, Hindi *or* English,** but the same medium should be used throughout the paper.

(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं, जिसमे से प्रश्न संख्या आठ करना अनिवार्य हैं।
All questions carry equal marks; question number eight is compulsory.

निम्नलिखित में से किसी **पांच** प्रश्नों के उत्तर लिखें। (18×5=90)
Answer any five of the following questions.

1. धर्मशास्त्र परम्परा में वर्णाश्रम व्यवस्था तथा उसकी नैतिक आधारभूमि का विवेचन कीजिए।
Discuss the Varnāśrama Vyavasthā and its ethical foundations in the Dharmasāstra tradition.

2. भारतीय समाज में नारी की स्थिति का वर्णन कीजिए।
Describe the position of women in different stages of Indian society

3. मंडल सिद्धांत का विवेचन करें
Explain the Mandala Theory.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

4. षोडश संस्कारों के सामाजिक महत्व का प्रतिपादन करें।
Explain the social significance of the sixteen sacraments (Ṣoḍaśa Saṁskāras).

5. मनुस्मृति के अनुसार राजधर्म पर प्रकाश डालें।
Discuss the duties of a king as described in the Manusmṛti.

6. धर्म के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए 14 धर्म स्थान का उल्लेख करें
Discuss the nature of Dharma and mention 14 Dharma sthan.

7. कौटिल्य के मतानुसार कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का विवेचन कीजिये ।
Discuss the concept of 'welfare state' according to Kautilya.

8. निम्नलिखित में से किसी **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 6x3=18
Write a short note on any **three** of the following

I. पुरुषार्थ चतुष्टय (*Purusharth chatustya)*
II. सप्तांग (Saptang Theory)
III. षाड् गुण्य (Shadgunya)
IV. जाति प्रथा (Caste system)
V. पञ्च महायज्ञ (Pañcha Mahāyajña)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(2)

This question paper contains 4 printed pages. Roll No.....

S.No.of Question Paper	:	5057
Unique Paper Code	:	2132102301
Name of the Paper	:	Classical Sanskrit Literature (Drama)
Name of the Course	:	B.A. (H) Sanskrit
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours

Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश:

(a) इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होते ही ऊपर अपना अनुक्रमांक लिखें।
Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.

(b) अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

(c) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Answer all questions

खण्ड - अ
Part - A

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए: 5×5=25
Translate the following:

(क) या सृष्टिः स्रष्टुराद्या वहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री
ये द्वे कालं विधत्तः श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम्।
यामाहुः सर्ववीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः
प्रत्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः॥

अथवा/or

न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्
मृदुनि मृगशरीरे पुष्पराशाविवाग्निः।
क्व वत हरिणकानां जीवितं चातिलोलं
क्व च निशितनिपाता वज्रसाराः शरास्ते॥

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ख) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुपश्चिन्ताजडं दर्शनम् ।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः ॥

अथवा/or

पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेपु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम् ।
अद्ये वः कुसुम प्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम् ॥

(ग) धन्या केयं स्थिता ते शिरसि शशिकला किं नु नामैतदस्या
नामैवास्यास्तदेतत्परिचितमपि ते विस्मृतं कस्य हेतोः ।
नारीं पृच्छामि नेन्दुं कथयतु विजया न प्रमाणं यदीन्दु-
र्देव्या निह्नोतुमिच्छोरिति सुरसरितं शाठ्यमव्याद्विभोर्वः ॥

अथवा/or

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचै:
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्या:।
विघ्नै:पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमाना:
प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति ।।

(घ) विरुद्धयोर्भृशमिह मन्त्रीमुख्ययो
र्महावने वनगजयोरिवान्तरे ।
अनिश्चयाद्जवशयेव भीतया
गतागतैर्ध्रुवमिह खिद्यते श्रिया ॥

अथवा/or

पृथिव्यां किं दग्धाः प्रथितकुलजा भूमिपतयः
पतिं पापे मौर्यं यदसि कुलहीनं वृतवती ।
प्रकृत्या वा काशप्रभवकुसुमप्रान्तचपला
पुरन्ध्रीणां प्रज्ञा पुरुपगुणविज्ञानविमुखी ॥

(ङ) रूपादीन्विपयान्निरूप्य करणैर्यैरात्मलाभस्त्वया
लब्धस्तेष्वपि चक्षुरादिपु हता: स्वार्थावबोधक्रियाः ।
अङ्गानि प्रसभं त्यजन्ति पटुतामाज्ञाविधेयानि ते
न्यस्तं मूर्ध्नीणां पदं तवैव जरया तृष्णे मुधा ताम्यसि ॥

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा/or

नन्दैर्वियुक्तमनपेक्षितराजराजैर्
अध्यासितं च वृषलेन वृषेण राज्ञाम् ।
सिंहासनं सदृशपार्थिवसंगतं च
प्रीतिं परां प्रगुणयन्ति गुणा ममैति ।।

खण्ड - ब
Part - B

2. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए: 2×15=30
Explain with reference to the context of the following:

(क) आ परितोषाद्विद्षां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम् ।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः ॥२॥

अथवा/or

श्शूषस्व गुरून्कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने
भर्तुर्विप्रकृताऽपि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः ।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः ॥

(ख) चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः।
न शालेः स्तम्बकरिता वसुर्गुणमपेक्षते ॥

अथवा/or

अक्षीणभक्तिःक्षीणेऽपि नन्दे स्वाम्यर्थमुद्वहन्।
पृथिव्यां स्वामिभक्तानां प्रमाणे परमे स्थितः।।

खण्ड -ग
Part- C

3. संस्कृत नाटकों के उद्भव एवं विकास को विस्तार से समझाइए। 15
Explain in detail evolution and development of Sanskrit Drama.

अथवा/or

अभिज्ञानशाकुन्तलं के चतुर्थ अंक के महत्त्व की चर्चा कीजिए ।
Discuss the importance of the fourth Chapter of Abhijnanashakuntalam.

खण्ड -घ
Part -D

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर टिप्पणी कीजिए: 2×5=10
write sort note on any **two** topics from followings:
(क) महाकवि भास
(ख) महाकवि भवभूति
(ग) महाकवि श्रीहर्ष
(घ) महाकवि भट्टनारायण

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर टिप्पणी लिखिए: 2×5=10
write sort note on any **two** topics from followings:
(क) नन्दी
(ख) सूत्रधार
(ग) भरतवाक्य
(घ) विदूषक

1000

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(3)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

K

Sr. No. of Question Paper : 5169

Unique Paper Code : 2132102302

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics, DSE 8

Name of the Course : **B.A. (HON.) (NEP)**

Semester : III

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions carry equal marks.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 4x18=72
   Write answer any **Four** of the following:

   1. भाषाविज्ञान के स्वरूप और उपादेयता का वर्णन कीजिए।
      Describe the nature and utility of Linguistics.

   2. ध्वनि परिवर्तन के विविध नियमों का विवेचन कीजिए।
      Discuss the various laws of phonetic changes.

   3. संस्कृत के व्याकरणिक कोटियों पर एक निबन्ध लिखिए।
      Write an essay on Sanskrit Grammatical Categories.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारणों की समीक्षा कीजिए।
Critically examine the directions and causes of syntactical changes.

5. अर्थ परिवर्तन की विविध दिशाओं का उदाहरणपूर्वक वर्णन कीजिए।
Describe the various directions of change in meaning with examples.

6. भारोपीय भाषाओं की मुख्य विशेषताओं को लिखिए।
Write main characteristics of the Indo-European languages.

7. आधुनिक भाषा अध्ययन पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the modern linguistic studies.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: 2x9=18

Write short notes any **Two** of the following:

(क) संस्कृत पद-विभाग/ Sanskrit part of speech

(ख) रूपिम/Morpheme

(ग) वैदिक संस्कृत और अवेस्ता/ Vedic Sanskrit and Avesta

(घ) हेमार्न ग्रासमान/Hermann Grassman

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper	:	**5141**	**Your Roll No.....** **K**
Unique Paper Code	:	2132103502	
Name of the Paper	:	Sanskrit Grammar Laghusiddhantakaumudi DSCC-14	
Name of the Course	:	**B.A. (Honours) Sanskrit, NEP-UGCF--2022**	
Semester	:	V	
Duration : 3 Hours			Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों में सूत्रनिर्देशपूर्वक सन्धि कीजिए: 5x2=10
Joint Sandhis in any **five** of the following quoting relevant sutras.
दया+आनन्दः ,वन+उत्सवः, पौ+अकः, सा+एव, हरे+अव , रामस्+शेते ,पेष्+ता, एतत्+मुरारिः, विष्णुः+त्राता , शिवो+वन्द्यः

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का सन्धि विच्छेद कीजिए: 5×1=5
Disjoin Sandhis in any **five** of the following words.
मध्वरिः, गणेशः, तथैव, देवालयः, तट्टीका, हरिश्शेते, वागीशः,तन्मात्रा,

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का विग्रह-उल्लेखपूर्वक समास परिचय दीजिए 5×2=10
Split and mention the name of Samasa in any **five** of the following words.
अधिहरि,निर्मक्षिकम्,गोहितम्,राजपुरुषः, पीताम्बरः, पितरौ, पञ्चगंगम्, सुमद्रम्,

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का समास कीजिए। 5x1=5
Make a compound in any **five** of the following words.

रूपस्य योग्यम् , हिमस्य अत्ययः, गोभ्यः सुखम्, न ब्राह्मणः, सह हरि,हरिणा त्रातः, चोराद् भयम् शिवश्च केशवश्च

5. निम्नलिखित **पाँच** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर यत्न लिखिए: 5x1=5
Write the यत्न and आभ्यन्तर of any **five** words of the following:
ख्,ज्, ठ् ,त्, द् ,ब्, म्, स्, ह्, अ

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए: 5×1=5
Write the letters of any **five** of the following:
अट्, यर्, एङ्, हश्, यण् , झय्, जश् , झल्

7. प्रत्येक अन्वित्ति में से **दो** सूत्रों को चुनते हुए कुल **छः** सूत्रों की व्याख्या कीजिए 6x5=30
Choosing **two** sutras from each Unit, explain and illustrate total **six** sutras of The following.

अन्विति 1

तस्य लोपः, सुसिङन्तं पदम् ,परःसंनिकर्षः संहिता, हलन्त्यम्

अन्विति 2

अकःसवर्णे दीर्घः,एचोऽयवायावः, ष्टुना ष्टुः,विसर्जनीयस्य सः

अन्विति 3

प्रथमा निर्दिष्टं समास उपसर्जनम्, समर्थः पदविधिः, पञ्चमी भयेन, नदीभिश्च

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी कीजिए: 4x5 =20
Comment on any **four** of the following:
इत्, संयोग,सवर्ण, गुण सन्धि, रुत्व सन्धि , श्चुत्व सन्धि, वृद्धि सन्धि ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5222**

Unique Paper Code : **2132103503**

Name of the Paper : **Introduction to Nyaya-Vaisheshik Philosophy, DSC**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit, NEP UGCF 2022**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिंदी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. Answer any *three* questions of the following : 3×18=54

   (*a*) Explain the theoretical and historical reasons for the origin and development of *Abhava Padartha* in *Nyaya-Vaisheshika* philosophy.

   (*b*) Explaining the statement "*Guna* is dependable on *Dravya*," describe *Guna* according to *Tarkasangraha*.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(c) Explain the *three* characteristics of *Padartha* and describe the *Samanya* Padartha.

(d) Explain the types of *Pratyaksha* according to *Tarkasangraha* and describe the *Shanvidhasanikarsha.*

(e) Define *Anumana* and explain with example *"Pancavayava"*.

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) न्याय-वैशेषिक दर्शन में "अभाव पदार्थ" के उद्‌भव और विकास के सैद्धांतिक और ऐतिहासिक कारणों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) "गुण द्रव्याश्रयी है।" इस कथन को स्पष्ट करते हुए तर्कसंग्रह के अनुसार गुण का विवेचन कीजिए।

(ग) पदार्थ के तीन साधर्म्यों को स्पष्ट करते हुए सामान्य पदार्थ का विवेचन कीजिए।

(घ) तर्कसंग्रह के अनुसार प्रत्यक्ष के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए षड्‌विधसन्निकर्ष का विवेचन कीजिए।

(ङ) अनुमान का लक्षण बताते हुए 'पंचावयव' को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

2. Write short notes on any *three* of the following : 3×6=18

(a) *Shabda Praman*

(b) *Karma*

(c) *Smriti*

(d) *Karana*

(e) *Aarambhavad.*

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) शब्द प्रमाण

(ख) कर्म

(ग) स्मृति

(घ) कारण

(ङ) आरम्भवाद।

3. Write a short note on any *one* of the following : 8

(*a*) *Kanada*

(*b*) *Vatsyayana*

(*c*) Earth.

निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :

(क) कणाद

(ख) वात्स्यायन

(ग) पृथ्वी।

4. Answer any *five* of the following questions in two lines each : 2×5=10

(*a*) Realism

(*b*) Property-substratum

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(c) *Pakaj*

(d) *Sankhya*

(e) *Sneha*

(f) *Dravatva*

(g) *Svarupasiddha Hetvabhasa*

(h) *Badhita Hetvabhasa.*

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के दो पंक्तियों में उत्तर दीजिए :

(क) वस्तुवाद

(ख) धर्म-धर्मी

(ग) पाकज

(घ) संख्या

(ङ) स्नेह

(च) द्रवत्व

(छ) स्वरूपासिद्ध हेत्वाभास

(ज) बाधित हेत्वाभास।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(6)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

K

Sr. No. of Question Paper : 5516

Unique Paper Code : 2133102002

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda, DSE

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit, NEP-UGCF-2022**

Semester : V

Duration : 3 Hours   Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे   पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers **all** questions

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. अष्टाङ्ग आयुर्वेद का वर्णन करें। 18

Describe the eight components of Ayurveda (Astanga Ayurveda).

अथवा/or

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए-

Comment on any **three** of the following.

त्रिदोष, पञ्चमहाभूत, त्रिगुण, वाजीकरण, पथ्य-अपथ्य।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए- 3x6=18

Write short notes on any **three** of the following.

(i) आयुर्वेद की प्रमुख विशेषताएँ

(ii) स्वास्थ्य

(iii) दिनचर्या

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

(iv) वर्षाऋतुचर्या

(v) ग्रीष्मऋतुचर्या

अथवा/or

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए-
Write short notes on any **three** of the following.

चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र।

3. भारतीय आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 18
Describe the historic tradition of indian aayurved in detail.

अथवा/or

आयुर्वेद की धन्वन्तरि अथवा पुनर्वसु की ऐतिहासिक परम्परा का विवेचन कीजिए।
Explain the historic tradition of Dhanwantari or Punarvasu.

4. ऋतु के अनुसार आहार विहार के लाभ का विवेचन कीजिए। 18
Discuss about the profit of food habit (ahara) and traveling (vihar)as according to season.

अथवा/or

हेमन्त, शिशिर एवं वसन्त ऋतु में पथ्य-अपथ्य का विवेचन कीजिए।
Describe regimen of fall winter (Hemanta), Winter (Sisira)& spring (Vasanta) seasons.

5. तैत्तिरीयोपनिषद् के भृगुवल्ली में वारुणि ने पिता से क्या जिज्ञासा की? और पिता ने क्या उत्तर दिया, संक्षेप में लिखिए। 18
What did Vaaruni desire from his father in Bhriguvalli of Taittiriyopnishad? And what did his father answer? Write briefly.

अथवा/or

भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
Write the importance of Life and Food according to Bhriguvalli.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

This question paper contains 2 printed pages.

Roll No. _____

S. No. of Question Paper: : 10957
Unique Paper Code : 2133100020
Name of the Paper : The Tradition of Vedic Commentaries, DSE
Name of the Course : B. A. (Honours) Sanskrit, UGCF NEP 2022
Semester : VII
Duration: 3 Hours Maximum Marks: 90

Instructions for candidates/छात्रों के लिए निर्देश:

1 इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2 **अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।**
Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

3 निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2 x 9 = 18
Explain the following with reference to context:

1) पुनरेक एवासहायः सन् य इदं सकलं जगद्रचयित्वा धारयतीत्यादिविशेषणयुक्तोऽस्ति तस्य सर्वशक्तिमत्त्वात् ॥

अथवा

अग्नये परमेश्वराय जलवायुशुद्धिकरणाय च होत्रं हवनं दानं यस्मिन् कर्मणि क्रियते तदग्निहोत्रम्। ईश्वराज्ञापालनार्थं वा ।

2) अथ यो वाग्योगविद् ज्ञानं तस्य शरणम्।

अथवा

साधनभूतधर्मज्ञानहेतुत्वात् षडङ्गसहितानां कर्मकाण्डानाम् अपरविद्यात्वम्।

4 निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3 x 18 = 54
Answer any **three** of the following questions:

1) वैदिक प्राच्य व्याख्या पद्धति की प्रमुख विशेषताएँ बताते हुए, वैदिक भाष्यों में सायणभाष्य के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
Explaining the prominent features of the Eastern Vedic interpretation system, highlight the importance of Sāyaṇabhāṣya among the Vedic commentaries.

2) वेद के निर्वचन दर्शाते हुए वेदसंज्ञा का अर्थ स्पष्ट कीजिए और वेदार्थज्ञ की महिमा को दर्शाइए।
Demonstrating the etymologies of Veda, explain the *Vedasaṁjñā and* prove the greatness of *Vedārthajña*.

3) वेदत्व को स्पष्ट करते हुए वेद के विषय और प्रयोजन का वर्णन कीजिए।
Explaining the *Vedatva*, describe the subject and purpose of the Vedas.

4) ऋग्वेदभाष्यभूमिका के आधार पर सृष्टिविद्या का प्रतिपादन कीजिए।
Describe *Sṛṣṭividyā* on the basis of Rgvedabhāṣyabhūmikā.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5) ऋग्वेदभाष्यभूमिका के आधार पर राजा के स्वरूप का वर्णन करते हुए प्रजा के प्रति उसके धर्म का प्रतिपादन कीजिए।
Describing the nature of King on the basis of Rgvedabhāṣyabhūmīkā, explain his duty towards public.

6) वेदादिभाष्यभूमिकासंग्रह के आधार पर वेदार्थज्ञान में पुराणों की उपादेयता को सिद्ध कीजिए।
Prove the significance of the Puranas in *Vedārthajñāna* on the basis of Vedabhāṣya-bhūmīkā-saṁgraha.

5 निम्नलिखित की **संस्कृत** में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 1 x 9 = 9
Explain the following in **Sanskrit** with reference to context:

नैव तमविदित्वा कश्चिज्ज्ञानी भवितुमर्हतीति ।

अथवा

तस्मात् तद्वेदनाय छन्दोग्रन्थ उपयुज्यते ।

6 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2 x 4.5 = 9
Write short notes on any **two** of the following:

1) प्रतीच्यव्याख्यापद्धति Pratīcya-vyākhyā-paddhati
2) अरविन्द घोष Aurobindo Ghoṣa
3) दयानन्द सरस्वती Dayānanda Saraswatī
4) वलिवैश्वदेवविधि *Balivaiśvadevavidhi.*

(200)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

This question paper contains 2 printed pages. Roll No. _____

Sl. No. of Question Paper : 10961
Unique Paper Code : 2133100024
Name of the Paper :COMPARATIVE RELIGION IN THE CONTEXT OF DHARMA, DSE
Name of the Course : Bachelor of Arts (Honours Course) Sanskrit, UGCF NEP 2022
Semester : VII
Duration: 3 Hours Maximum Marks: 90

Instructions for candidates:

(a) Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना रोल नम्बर लिखें ।

(b) Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1 निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 18 x 3 = 54
Answer any **three** questions out of the following:

i. धर्म का अर्थ, परिभाषा स्पष्ट करते हुए मानव जीवन में उसके उद्देश्य विस्तार से समझाइए।
Defining and explaining the meaning of Dharma, elucidate its objectives in man's life.

ii. मानव जीवन को अनुशासित करने में धर्म की महत्वपूर्ण भूमिका है स्पष्ट कीजिए|
Explain that Dharma has an important role in disciplining man's life.

iii. वैदिक धर्म और संस्कृति के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए |
Explain the nature of Vedic *Dharma* and *Sanskriti*.

iv. समाज सुधार में बौद्ध धर्म की भूमिका को सविस्तार समझाइए|
Explain the role of Buddhist dharma in social reforms.

v. हिंदू धर्म के इतिहास को समझाते हुए अन्य धर्मों पर इसके प्रभाव को स्पष्ट कीजिए
Explaining the history of Hindu dharma, describe its impact on other dharmas.

2 निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 6 x 3 = 18
Write short notes on any **three** of the following:

i. ब्रह्मसमाज Brahmasamaja
ii. आर्यसमाज Aryasamaja
iii. रामकृष्ण मिशन Ramakrishna Mission
iv. बौद्ध धर्म Buddhist Dharma
v. सिख धर्म Sikh Dharma

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3 निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए: $8 \times 1 = 8$
Write short note in Sanskrit on any **one** of the following:

i. वैष्णववाद Vaishnavavada
ii. शैववाद Shaivavada

4 निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति) दीजिए: $5 \times 2 = 10$
Answer any **Five** questions of the following in short (One or two lines):

i. शाक्तवाद Shaktavada
ii. स्वधर्म Svadharma
iii. वर्णधर्म Varnadharma
iv. आश्रमधर्म Ashramadharma
v. स्मार्तवाद Smartavada
vi. अनेकांतवाद Anekantavada
vii. द्वादश भव चक्र Dvadasha Bhava Chakra
viii. सत्कार्यवाद Satkaryavada
ix. विपर्ययवाद Viparyayavada
x. द्वैतवाद Dvaidavada

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY
100

(9)

10962

[This question paper contains 2 printed pages.]

Roll No. _____

Sl. No. of Question Paper:

Unique Paper Code : 2133200009

Name of the Paper : SKILLS FOR DISSERTATION WRITING IN SANSKRIT, DSE

Name of the Course : BACHELOR OF ARTS WITH SANSKRIT, UGCF NEP 2022

Semester : VII

Duration : 3 Hours **Maximum Marks: 90**

Instructions for Candidates:

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or In **Hindi** or in **English,** but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory

विद्यार्थियों के लिये निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. शोध की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों का वर्णन कीजिए। 15
Explain the concept of a research and describe its types.

अथवा/Or

शोध की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।
Explain the concept of a research and describe its objectives.

2. शोध-विषय का चयन करते समय किन तथ्यों को ध्यान में रखना चाहिए, विस्तार से वर्णन कीजिए। 15
Describe in detail the factors that should be considered when selecting a research topic.

अथवा/Or

शोध प्रबंध की रूपरेखा के मुख्य तत्वों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
Explain the main elements of a research dissertation outline with examples.

3. शोध-प्रबंध के मुख्य चरणों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 15
Describe the main stages of a research dissertation in detail.

अथवा/Or

शोध-प्रबंध के लेखन में टाइपिंग उपकरणों की उपयोगिता का विवेचन कीजिए।
Discuss the usefulness of typing tools in writing a research dissertation.

4. शोध-प्रबंध के मूल तत्वों का विस्तार से उल्लेख कीजिए। 15
State the fundamental elements of a research dissertation.

अथवा/Or

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

शोध-प्रबंध के संरचनात्मक अवयवों का वर्णन कीजिए।
Describe the structural components of a research dissertation.

अथवा/Or

5. शोध-प्रबंध कार्य में मौलिकता (Originality) और नैतिकता (Ethics) का क्या महत्त्व है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 15
What is the importance of originality and ethics in research thesis work? Explain with examples.

अथवा/Or

शोध-पत्र के प्रारूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।
Describe the format of a research paper in detail.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए। 3×5=15
Write a note on any **three** of the following.

a) ई-संसाधन और शोध-उपकरण
E-resources and research tools
b) संदर्भग्रंथ
References
c) सर्वेक्षण
Survey
d) अनुसंधानलेखन में डायक्रिटिकल चिह्न
Diacritical Marks in research writing.
e) अनुसंधान-लेखनमें 'कीवर्ड्स' और 'सारांश''
Keywords' and 'Abstract' in research writing
f) डेटासंग्रहण और विश्लेषण
Data Collection and Analysis

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(15)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6511 **K**

Unique Paper Code : 2022201101

Name of the Paper : INTRODUCTION TO BUDDHISM

Name of the Course : **B.A. (Prog.). Buddhist Studies / DSC-1(A1)/NEP-UGCF/22**

Semester : I (Students admitted after the year 2019)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions carry equal marks.
3. Attempt any Four questions.
4. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न- पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है ।
3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्ण्त या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

a) Pre-Buddhistic India and its religious background
पूर्व-बौद्धिक भारत और उसकी धार्मिक पृष्ठभूमि

b) Primary sources of Buddhism
बौद्ध धर्म के प्राथमिक स्रोत

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

c) Significance of the First Buddhist Council
प्रथम बौद्ध परिषद का महत्व
d) Ariya aṭṭhaṅgika magga
आर्य अष्टांगिक मार्ग

2. Explain the key milestones in the biography of Siddhartha Gautama and their significance.
सिद्धार्थ गौतम के जीवन के प्रमुख घटनाक्रम और उनके महत्व की व्याख्या कीजिए। (20)

3. Discuss the social and political factors that supported the spread of Buddhism in ancient India. (20)
प्राचीन भारत में बौद्ध धर्म के प्रसार में सामाजिक और राजनीतिक कारकों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

4. Describe the process of establishment and evolution of the Buddhist Sangha (order) and how the early Sangha shaped Buddhist practice? (20)
बौद्ध संघ की स्थापना और विकास की प्रक्रिया का वर्णन करें। प्रारंभिक संघ ने बौद्ध अभ्यास को किस प्रकार आकार दिया?

5. Analyze the causes and effects of the schism between the Sthaviravāda and Mahāsāṃghika schools.
स्थविरवाद और महासांगिक के बीच विभाजन के कारणों और परिणामों का विश्लेषण कीजिए।
(20)

6. Describe the key developments in Buddhism during Kanishka's reign and their significance.
कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म के विकास और विस्तार के मुख्य पहलुओं का वर्णन कीजिए। (20)

7. Discuss the expansion of Buddhism and the cultural contributions during Ashoka's reign. (20)
अशोक के शासनकाल में बौद्ध धर्म के विस्तार और उनके सांस्कृतिक योगदान पर चर्चा कीजिए।

(200)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6541 K

Unique Paper Code : 2132201101

Name of the Paper : DSC-1 Sanskrit Grammar (non major)

Name of the Course : B.A. Prog.

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इसं प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भापा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए :
   Comment on any **two** from each of the following sections:

खण्ड-अ
Section- A

उच्चारण स्थान , पद , इत् , अनुनासिक । 2×6.5=13

खण्ड -ब
Section -B

विसर्ग सन्धि, गुण सन्धि, अनुनासिक सन्धि , दीर्घ सन्धि 2×6.5=13

खण्ड -स
Section- C

सम्बोधन, पञ्चमी, करण , द्वितीया। 2×6.5=13

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : 5
Write the Varna's of any **five** pratyaharas of the following:
अम्, एङ्, वल्, भष्, झर्, चय्, यण् ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** के उच्चारणस्थान लिखिए : 6
Write the place of pronunciation of any **six** of the following:
ह्, य्, स्, इ, ल्, ऐ, भ्, क्।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की परिभाषा सोदाहरण दीजिए: 4×2.5=10
Define with example any **four** of the following:
गुण , अपादान, नाद, प्लुत, संहिता, अनुदात्त ।

5. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** पदों की सन्धिविच्छेद प्रदर्शित कीजिए : 5×1=5
Disjoin any five padas from the following words:
श्रीशः, पावकः, कृष्णर्द्धिः, रामश्शेते, तन्मात्रम्, पेष्टा, अधो याहि, हिमालयः, शिवोऽर्च्यः।

6. समास की परिभाषा एवं भेदों का विवेचन उदाहरण सहित कीजिए। 10
Define Compound and it's types with the help of examples.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** रेखांकित पदों के विभक्ति का कारण बताइए : 5×3=15
Explain the reason of application of the case-ending in any **five** of the following underlined words:
(क) <u>इन्द्राय</u> वषट्।
(ख) <u>रामात्</u> कृष्णः पटुतरः ।
(ग) रामः <u>जनकेन</u> सह गृहं गच्छति ।
(घ) <u>हरीं</u> भजति ।
(ङ) <u>नृपः</u> ब्राह्मणाय धनं यच्छति ।
(च) <u>माणवकं</u> पन्थानं पृच्छति ।
(छ) <u>सतां</u> गतम् ।
(ज) <u>मोक्षे</u> इच्छा अस्ति ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(12)

6749

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No. .....

Sr. No. of Question Paper :

Unique Paper Code	:	2022201102
Name of the Paper	:	INTRODUCTION TO BUDDHIST LITERATURE
Name of the Course	:	B.A. (Prog.). Buddhist Studies/DSC-1(B1)/NEP-UGCF/22
Semester	:	I (Students admitted after the year 2019)

Time: 3 Hrs.
समय : 3 घंटे

Full Marks: 90
पूर्णांक : 90

Instructions for the Candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश) :

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note: **Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.**
टिप्पणी : उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four Questions in all. Question No. 1 is compulsory.
कुल चार प्रश्न हल करें। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   a) Mahāparinibbānasutta
   महापरिनिब्बानसुत्त
   b) Āryabhiniṣkramaṇasūtra
   आर्यभिनिश्चक्रमणसूत्र
   c) Suttanipāta
   सुत्तनिपात
   d) Mahāvagga
   महावग्ग

2. Discuss the role of Lalitavistara and Mahāvastu in shaping Buddhist biographical literature.
बौद्ध जीवनी साहित्य के विकास में ललितविस्तर और महावस्तु की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (20)

3. Evaluate the themes and literary value of Buddhist Sanskrit literature with reference to the Nava Vaipulya Sūtras or Mahāyānasūtras. (20)
बौद्ध संस्कृत साहित्य (नव वैपुल्यसूत्र या महायानसूत्र) की विषय-वस्तु और साहित्यिक दृष्टि से विश्लेषण कीजिए।

4. Discuss the origin and homeland of the language used in the Buddha's teachings.
बुद्ध के उपदेशों में प्रयुक्त भाषा की उत्पत्ति और मूलभूमि पर चर्चा कीजिए। (20)

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. Explain the structure and content of the Vinaya Piṭaka in Pāli literature with examples of its main texts. (20)
पालि-साहित्य में विनय पिटक की संरचना और विषयवस्तु के बारे में उदाहरण सहित विस्तार से बताइए।

6. Describe the history and significance of the earliest Buddhist councils and how they shaped the compilation of Buddhist teachings. (20)
प्रारंभिक बौद्ध संगीति की ऐतिहासिकता और उनके बौद्ध ग्रंथों के संकलन में महत्व को स्पष्ट कीजिए।

7. Explain the importance and repertoire of the Jātaka tales in Pāli literature and their relevance for Buddhist moral education. (20)
पालि-साहित्य में जातक कथाओं का महत्व और उनका संग्रह बताइए तथा बौद्ध नैतिक शिक्षा के लिए उनकी प्रासंगिकता समझाइए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

SET I

Your Roll No. .....

Sr. No. of Question Paper	:	6298
Unique Paper Code	:	2022202301
Name of the Paper	:	INTRODUCTION TO TIBETAN BUDDHISM
Name of the Course	:	B.A. (Prog.). Buddhist Studies/DSC-3(3A)/NEP-UGCF/22
Semester	:	III (Students admitted after the year 2019)

Time: 3 Hrs.
समय : 3 घंटे

Full Marks: 90
पूर्णांक : 90

Instructions for the Candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश) :

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note: **Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.**

टिप्पणी : उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four Questions in all. Question No. 1 is compulsory.

कुल चार प्रश्न हल करें। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   a) The origin and spread of Buddhism in Tibet
   तिब्बत में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति और प्रसार
   b) Major features of Tibetan Buddhist literature
   तिब्बती बौद्ध साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
   c) Indian Scholars who visited Tibet
   तिब्बत का दौरा करने वाले भारतीय विद्वान
   d) Pilgrimage in Tibetan Buddhism
   तिब्बती बौद्ध धर्म में तीर्थयात्रा

2. Discuss the role and significance of Tibetan Dharma-rajas in the spread and administration of Buddhism in Tibet.
तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रचार एवं प्रशासन में तिब्बती धर्मराजाओं की भूमिका और महत्व पर चर्चा कीजिए। (20)

3. Explain the contribution of Indian Buddhist scholars like Padmasambhava, Śāntarakṣita, and Atiśa in Tibetan Buddhism. (20)
पद्मसम्भव, शांतरक्षित और अतिश जैसे भारतीय बौद्ध विद्वानों का तिब्बती बौद्ध धर्म में योगदान स्पष्ट कीजिए।

4. What are the major Tibetan Buddhist sects? Briefly describe their main features. (20)
प्रमुख तिब्बती बौद्ध संप्रदाय कौन-कौन से हैं? उनके प्रमुख लक्षणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. Analyse the historical evolution and significance of the Dalai Lama institution in Tibet.
तिब्बत में दलाई लामा संस्था के ऐतिहासिक विकास और महत्व का विश्लेषण कीजिए। (20)

6. Evaluate the importance of the Kailash pilgrimage in the context of Tibetan Buddhist practice.
तिब्बती बौद्ध साधना के संदर्भ में कैलाश तीर्थयात्रा के महत्व का मूल्यांकन कीजिए। (20)

7. Discuss the main types and themes of Tibetan Buddhist literature developed in Tibet.
तिब्बत में विकसित तिब्बती बौद्ध साहित्य के प्रमुख प्रकार और विषयों की चर्चा कीजिए। (20)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(14)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

K

Sr. No. of Question Paper	:	**6329**
Unique Paper Code	:	2132202301
Name of the Paper	:	Sanskrit Theatre, DSC-A3 (Non-Major)
Name of the Course	:	**Bachelor of Arts with Sanskrit, NEP-UGCF-2022**
Semester	:	III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **five** questions out of the following. Each question contains equal marks.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. रंगमंच के उद्भव का वर्णन कीजिए तथा प्राक्-ऐतिहासिक एवं वैदिक युगों में उसके विकास की विवेचना कीजिए।

   Explain the origin of stage and describe its development in Pre-historic and Vedic ages.

2. नाट्यमण्डप के विविध प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

   Describe the various types of theatre in detail.

3. कथावस्तु के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके भेदों का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

   Explain the features (swaroop) of the plot (kathavastu) and discuss its types with examples.

4. नायक के लक्षणों का निरूपण करते हुए उसके 'धीरोदात्त' एवं 'धीरललित' नामक भेदों का उदाहरणसहित वर्णन कीजिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Define the characteristics of actor (Nayaka) and describe his types named 'Dhirodatta' and 'Dhiralalita' with examples.

5. नाट्य-अभिनय के स्वरूप को स्पष्ट करते हुये उसके 'आंगिक' और 'वाचिक' नामक प्रकारों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Discuss the features (swaroop) of dramatic acting (Natya-Abhinaya) and describe its types named 'Aangika' and 'Vachika' in detail.

6. 'रसनिष्पत्ति' के विविध कारकों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Explain the various factors of 'Rasanishpatti' in detail.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर विवेचनात्मक टिप्पणी लिखिए :

Write explanatory notes on any **three** of the following:

(i) रंगपीठ और नेपथ्य : Rangpeetha and Nepathya

(ii) भूमिमापन तथा दारुकर्म : Bhoomimapana and Darukarma

(iii) नाट्यशास्त्र : Natyashastra

(iv) आहार्य और सात्त्विक : Aaharya and Sattvika

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper	:	**6464**	**K**
Unique Paper Code	:	2022202301	
Name of the Paper	:	INTRODUCTION TO TIBETAN BUDDHISM	
Name of the Course	:	**B.A. (Prog.). Buddhist Studies / DSC-3(3A)/NEP-UGCF/22**	
Semester	:	III (Students admitted after the year 2019)	

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions carry equal marks.
3. Attempt any Four questions.
4. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न- पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है ।
3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्ण्त या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   a) The origin and spread of Buddhism in Tibet
   तिब्बत में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति और प्रसार
   b) Major features of Tibetan Buddhist literature
   तिब्बती बौद्ध साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

c) Indian Scholars who visited Tibet
तिब्बत का दौरा करने वाले भारतीय विद्वान
d) Pilgrimage in Tibetan Buddhism
तिब्बती बौद्ध धर्म में तीर्थयात्रा

2. Discuss the role and significance of Tibetan Dharma-rajas in the spread and administration of Buddhism in Tibet.
तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रचार एवं प्रशासन में तिब्बती धर्मराजाओं की भूमिका और महत्व पर चर्चा कीजिए। (20)

3. Explain the contribution of Indian Buddhist scholars like Padmasambhava, Śāntarakṣita, and Atiśa in Tibetan Buddhism. (20)
पद्मसम्भव, शांतरक्षित और अतिश जैसे भारतीय बौद्ध विद्वानों का तिब्बती बौद्ध धर्म में योगदान स्पष्ट कीजिए।

4. What are the major Tibetan Buddhist sects? Briefly describe their main features. (20)
प्रमुख तिब्बती बौद्ध संप्रदाय कौन-कौन से हैं? उनके प्रमुख लक्षणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

5. Analyse the historical evolution and significance of the Dalai Lama institution in Tibet.
तिब्बत में दलाई लामा संस्था के ऐतिहासिक विकास और महत्व का विश्लेषण कीजिए। (20)

6. Evaluate the importance of the Kailash pilgrimage in the context of Tibetan Buddhist practice. (20)
तिब्बती बौद्ध साधना के संदर्भ में कैलाश तीर्थयात्रा के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

7. Discuss the main types and themes of Tibetan Buddhist literature developed in Tibet. (20)
तिब्बत में विकसित तिब्बती बौद्ध साहित्य के प्रमुख प्रकार और विषयों की चर्चा कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(16)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper	:	**6495**
Unique Paper Code	:	2132202301
Name of the Paper	:	Sanskrit Theatre, DSC-A3 (Non-Major)
Name of the Course	:	**Bachelor of Arts with Sanskrit, NEP-UGCF-2022**
Semester	:	III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any five questions out of the following. Each question contains equal marks.
3. 1. Answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न- पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. रंगमंच के उद्भव और विविधा कालों में उसके विकास का प्रतिपादन कीजिए।

   Discuss the origin of stage and its development in different ages.

2. नाट्यमण्डप के प्रकारों का वर्णन कीजिए तथा दैवी एवं मानवीय नाट्यमण्डपों में अंतर बताइए।

   Describe the types of theatre and differentiate between theatres made for God and general people.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. कथावस्तु की वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए तथा प्रासंगिक कथावस्तु के भेदों का उदाहरण सहित निरूपण कीजिए।

Explain the features of the plot (kathavastu) and discuss the kinds of Prasangika plot (kathavastu) with Examples.

4. 'रसनिष्पत्ति' के विविध अवयवों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

Discuss the various constituents of 'Rasnishpatti' in detail.

5. नाट्य-अभिनय से क्या समझते हैं? 'आहार्य' और 'सात्त्विक' नामक अभिनय-भेदों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

What is dramatic acting (Natya-Abhinaya)? Discuss the types of acting (Abhinaya) named Aahrya and Sattvika in detail.

6. नायक के गुणों का निरूपण कीजिए तथा 'धारोद्धत' एवं 'धीरप्रशान्त' नामक प्रकारों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

Define the characteristics of actor (Nayaka) and explain the types of actor named 'Dhiroddhata' and 'Dhiraprashanta' with examples.

7. अधोलिखित में से किन्हीं तीन पर विवेचनात्मक टिप्पणी लिखिए :

Write explanatory notes on any three of the following:

(प) भूमिशोधान एवं भूमिमापन

Bhoomishodhana and Bhoomimapana

(ii) मत्तवारणी एवं नेपथ्य

Mattavarani and Nepathya

(iii) रंगशीर्ष एवं मण्डपनिवेशन

Rangashirsha and Mandapniveshana

(iv) रसभेद

Kinds of Rasa (Rasabheda)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

6714

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No. .....

Sr. No. of Question Paper :

Unique Paper Code	:	2022202302
Name of the Paper	:	INTRODUCTION TO CHINESE BUDDHISM
Name of the Course	:	B.A. (Prog.). Buddhist Studies/DSC-3(3B)/NEP-UGCF/22
Semester	:	III (Students admitted after the year 2019)

Time: 3 Hrs.
समय : 3 घंटे

Full Marks: 90
पूर्णांक : 90

Instructions for the Candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश) :

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note: **Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.**

टिप्पणी : उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four Questions in all. Question No. 1 is compulsory.
कुल चार प्रश्न हल करें। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   a) Influence of Indian Buddhist scholars on Chinese Buddhism
   चीनी बौद्ध धर्म पर भारतीय बौद्ध विद्वानों का प्रभाव
   b) Buddhist sites in China
   चीन के बौद्ध स्थल
   c) Pre-Buddhist religions (Confucianism and Taoism) and their influence in China
   चीन में पूर्व-बौद्धिक धर्म (कन्फ्यूशियन एवं ताओ) और उनका प्रभाव
   d) Social welfare activities of the Buddhist sangha.
   बौद्ध संघ की सामाजिक कल्याण गतिविधियाँ

2. Discuss how Buddhism was established and evolved in China, emphasizing key turning points and epochs that marked its development. (20)
चीन में बौद्ध धर्म की स्थापना और उसके विकास की चर्चा कीजिए, इसमें विकास के निर्णायक मोड़ों और ऐतिहासिक युगों का उल्लेख कीजिए।

3. Explain the state and evolution of Buddhism during the Han Dynasty in China.
हान वंश के निर्णायक चीन में बौद्ध धर्म की स्थिति और विकास का वर्णन कीजिए। (20)

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. Discuss the role of ancient land and sea routes in the propagation of Buddhism in China, especially during the Han Dynasty. (20)
हान वंश के दौरान चीन में बौद्ध धर्म के प्रचार में प्राचीन स्थल एवं समुद्री मार्गों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

5. Explain the influence of Indian Buddhism on the development of Buddhist sects in China.
चीनी बौद्ध संप्रदायों के विकास में भारतीय बौद्ध धर्म के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। (20)

6. Analyze the importance of Buddhist festivals in Chinese religious and social life.
चीनी धार्मिक और सामाजिक जीवन में बौद्ध पर्वों के महत्व का विश्लेषण कीजिए। (20)

7. Discuss the historical role and contributions of eminent Chinese Buddhist monks.
प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षुओं की ऐतिहासिक भूमिका और योगदान पर चर्चा कीजिए। (20)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(18)

This question paper contains 2 printed sheets.

Roll No. _____

Sl. No.	:	**5337**
Unique Paper Code	:	**2133100010**
Name of the Paper	:	**Introduction to Sanskrit poetics, DSE**
Name of the Course	:	**B.A. (P) Sanskrit, NEP-UGCF**
Semester	:	**V**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**90**

टिप्पणी:

(I) अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिंदी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में

दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Unless otherwise required in a question paper answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

1. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य प्रयोजनों की समीक्षा कीजिए। 18
Critically examine the objectives of poetry according to Acharya Mammata.

अथवा/ Or

आचार्य भामह के अनुसार काव्य-प्रयोजन का उल्लेख कीजिए।
Mention the purpose of poetry according to Acharya Bhamaha.

2. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य-कारण की समीक्षा कीजिए। 18
Describe the poetic cause according to Acharya Mammat.

अथवा/ Or

आचार्य दण्डी के अनुसार काव्य-हेतु की समीक्षा कीजिए।
Describe the poetic cause according to Acharya Dandi.

3. "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्" इस कथन की विवेचना कीजिए। 18
"*Vakyam rasatmakam kavyam*" Discuss this statement.

अथवा/ Or

"शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्" इस कथन की विवेचना कीजिए।
"*Shabdarthau sahitau kavyam*" Discuss this statement.

4. चन्द्रालोक के अनुसार निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अलंकारों के सोदाहरण लक्षण दीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3×6=18

Define and illustrate any **three** of the following figures of speech according to Chandralok.

(I) अनुप्रास (*Anuprasa*)
(II) उपमा (*Upama*)
(III) उत्प्रेक्षा (*Utpreksha*)
(IV) श्लेष (*Shlesha*)
(V) भ्रान्ति (*Bhranti*)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 3×6=18
Write short notes on any **three** of the following:

(I) भामह (Bhamaha)
(II) जयदेव (Jayadeva)
(III) कुंतक (Kuntaka)
(IV) पंडित राजजगन्नाथ (Pandit Raj Jagannath)
(V) विश्वनाथ(Vishvanath)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY
500

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6423 **K**

Unique Paper Code : 2022203501

Name of the Paper : SELECTED PALI TEXTS

Name of the Course : **B.A. (Prog.). Buddhist Studies/DSC-(5A)/NEP-UGCF/22**

Semester : V (Students admitted after the year 2019)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions carry equal marks.
3. Attempt any Four questions.
4. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न– पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है ।
3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्ण्त या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

a) The meaning and significance of "Dhamma-cakka" in early Buddhist teaching
प्रारंभिक बौद्ध शिक्षाओं में 'धम्मचक्क' का अर्थ और महत्व
b) Cha(Six) Disā in the Sigālovāda-sutta
सिगालोवाद सुत्त में 'छः दिशाएँ'
c) Satipaṭṭhāna: mindfulness bases in Buddhist psychology
बौद्ध मनोविज्ञान में सतिपट्ठाना (स्मृति के आधार)
d) The value of "good friendship" (kalyāṇa-mittatā) in Pali texts
पाली ग्रंथों में कल्याण-मित्तता का मूल्य

2. Elaborate on the doctrine of the "Middle Path" as taught in the Dhammacakkappavattana-sutta, relating it to the avoidance of extremes. (20)
धम्मचक्कपवत्तन सुत्त में 'मध्यम मार्ग' की शिक्षा का विस्तार से वर्णन कीजिए और इसे दो चरम सीमाओं के त्याग से जोड़िये।

3. Explain the causes of downfall (apāyamukhāni) outlined in the Sigālovāda-sutta with real-life examples. (20)
सिगालोवाद सुत्त में वर्णित पतन के कारण (अपायमुखानि) को जीवन के उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

4. Analyze the structure and goals of the Satipaṭṭhāna meditation as explained in the Mahāsatipaṭṭhānasutta. (20)
महासतिपट्ठानसुत्त में वर्णित सतिपट्ठान साधना की संरचना और उद्देश्यों का विश्लेषण कीजिए।

5. Assess the social message and unique style of discourse found in the Parābhava-sutta.
पराभव सुत्त के सामाजिक संदेश और विशिष्ट भाषाशैली का मूल्यांकन कीजिए। (20)

6. What are the "Thirty-eight Blessings" in the Maṅgala-sutta? Highlight their order and practical application.
मंगल सुत्त में 'अड़तीस मंगल' कौन-कौन से हैं? उनके क्रम और व्यवहारिक उपयोग पर प्रकाश डालिए। (20)

7. How do the selected Pāli texts integrate ethical, psychological, and social teachings? Discuss with references.
चयनित पालि ग्रंथों में नैतिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक शिक्षाओं का संयोजन कैसे किया गया है— उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (20)

(200)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 6450 Your Roll No.....

K

Unique Paper Code : 2132203501

Name of the Paper : Indian Epigraphy & Paleography, DSC A-5 (Non-Major)

Name of the Course : B.A. (P) with Sanskrit, NEP-UGCF-2022

Semester : V

Duration : 3 Hours
समय ; 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. इतिहास निर्माण में अभिलेख किस प्रकार सहायक हैं?
How are inscription helpful in construction of history? 18

Or/अथवा

भारत में लेखनकला की प्राचीनता से संबंधित भारतीय विद्वानों के मत प्रतिपादित कीजिए।
Describe the ideas of Indian scholars regarding antiquity of writing in India.

2. अभिलेखों की लेखन सामग्री पर निबंध लिखिए।
Write an essay on writing material of inscriptions. 18

Or/अथवा

अभिलेखों के मुख्य प्रकारों का उल्लेख कीजिए।
Describe main types of inscriptions.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

3. ब्राह्मी लिपि के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 18
Throw light on the origin and development of Brahmi Script.

Or/अथवा

प्राचीन भारत में प्रयुक्त होने वाली अभिलेखीय तिथ्यकंन पद्धति पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the dating system found in inscription in ancient India.

4. एरण अभिलेख के आधार पर समुद्रगुप्त के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 18
Throw light on the personality of Samudragupt on basis of the Eran inscription.

Or/अथवा

रुद्रदामन् के जूनागढ़ शिलालेख के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the historical importance of the Junagarh inscription of Rudradaman.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए- 3×6=18

Write short note on any three of following -

1.	J. F. फ्लीट	J. F. Fleet
2.	गौरीशंकर हीराचंद ओझा	G. H. Ojha
3.	जॉर्ज ब्यूलर	Gorge Buhlar
4.	गुप्त संवत्	Gupt Era
5.	विक्रम संवत्	Vikram Era
6.	दिनेश चंद्र सरकार	D.C. Sircar

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(21)

6599

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper :
Unique Paper Code : 2023203501
Name of the Paper : RELEVANCE OF BUDDHISM TO THE CONTEMPORARY WORLD
Name of the Course : B.A. (Prog.). Buddhist Studies/DSE/NEP-UGCF/22
Semester : V (Students admitted after the year 2019)

Your Roll No. .....

Time: 3 Hrs.
समय : 3 घंटे

Full Marks: 90
पूर्णांक : 90

Instructions for the Candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश) :
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note:
टिप्पणी : Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.
उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए. लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four Questions in all. Question No. 1 is compulsory.

कुल चार प्रश्न हल करें। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
   a) Buddhist perspective on social equality and ending discrimination
   सामाजिक समानता और भेदभाव-समापन पर बौद्ध दृष्टिकोण
   b) Value and practice of Maitrī (loving-kindness) in Buddhist thought
   बौद्ध विचारधारा में मैत्री के मूल्य एवं अभ्यास
   c) Buddhist intervention in interstate disputes: Rohini River example
   राज्यों के बीच विवाद में बौद्ध हस्तक्षेप: रोहिणी नदी का उदाहरण
   d) Empowerment through Buddhist identity in the teachings of Dr. B. R. Ambedkar
   डॉ. बी. आर. आंबेडकर के विचारों में बौद्ध पहचान के माध्यम से सशक्तिकरण

2. Examine how Buddhist values facilitated interstate peace and justice in ancient republics like the Vajji or Licchavi. (20)
वज्जि या लिच्छवि जैसे प्राचीन गणराज्यों में बौद्ध मूल्यों ने किस प्रकार राज्य-शांति एवं न्याय को बढ़ावा दिया?

3. Examine the relevance of lay Buddhist practices such as Uposatha and Pañcasīla in promoting community harmony today. (20)
समाज में सामुदायिक सद्भावना बढ़ाने में उपोसथ और पंचशील जैसे गृहस्थ बौद्ध आचरणों की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

4. How do Buddhist teachings on suffering and the Four Noble Truths apply to mental health challenges in the current era? (20)
वर्तमान समय की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर बौद्ध दुख-दर्शन और चार आर्य सत्य किस प्रकार लागू होते हैं?

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. Explain the significance and contemporary application of Ānāpāna and Vipassanā meditation techniques.
आनापान और विपश्यना ध्यान विधियों का महत्व और समकालीन उपयोग स्पष्ट कीजिए। (20)

6. Analyze how Buddhism addresses poverty, health crises, and pandemics in the contemporary world.
आधुनिक विश्व में बौद्ध धर्म किस प्रकार गरीबी, स्वास्थ्य संकट और महामारी का समाधान प्रस्तुत करता है, विश्लेषण कीजिए। (20)

7. What lessons do Buddhist stories of compassion (e.g., Angulimāla, Jivaka) offer for present-day healthcare and rehabilitation?
करुणा से संबंधित बौद्ध कथाएँ (जैसे: अंगुलिमाल, जीवक) आज के स्वास्थ्य और पुनर्वास व्यवस्थाओं के लिए क्या संदेश देती हैं? (20)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.] SET II

Your Roll No. .....

Sr. No. of Question Paper	:	10513
Unique Paper Code	:	2023200005
Name of the Paper	:	RESEARCH METHODOLOGY IN BUDDHIST STUDIES
Name of the Course	:	B.A. (Prog.). Buddhist Studies/DSE-1/NEP-UGCF/22
Semester	:	VII (Students admitted after the year 2019)

Time: 3 Hrs. **Full Marks: 90**
समय : 3 घंटें पूर्णांक : 90

Instructions for the Candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश) :

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note: **Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.**
टिप्पणी : उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four Questions in all. Question No. 1 is compulsory.
कुल चार प्रश्नों को हल करें। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य हैं।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
   a) Research questions in Buddhist studies (बौद्ध अध्ययन में अनुसंधान प्रश्न)
   b) Comparative research method (तुलनात्मक अनुसंधान विधि)
   c) Interview method in field studies (क्षेत्र अध्ययन में साक्षात्कार विधि)
   d) Bibliography and reference writing (ग्रंथ सूची और संदर्भ लेखन)

2. Define research and explain its types with reference to Buddhist studies.
अनुसंधान को परिभाषित कीजिए और बौद्ध अध्ययन के संदर्भ में इसके प्रकार स्पष्ट कीजिए। (20)

3. Discuss the use of field studies in Buddhist research.
बौद्ध अनुसंधान में क्षेत्र अध्ययन के उपयोग पर चर्चा कीजिए। (20)

4. What are the key ethical principles in academic research? Explain.
शैक्षणिक अनुसंधान में प्रमुख नैतिक सिद्धांत क्या हैं? स्पष्ट कीजिए। (20)

5. Evaluate the role of literature review in hypothesis formulation.
परिकल्पना निर्माण में साहित्य समीक्षा की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। (20)

6. Write a detailed note on the structure and components of a research paper.
अनुसंधान पत्र की संरचना और घटकों पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। (20)

7. How can one identify a meaningful research topic in Buddhist studies? Discuss.
बौद्ध अध्ययन में एक सार्थक अनुसंधान विषय की पहचान कैसे की जा सकती है? चर्चा कीजिए। (20)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(23)

[This question paper contains 2 printed pages.] SET II

Your Roll No. .....

Sr. No. of Question Paper	:	10515
Unique Paper Code	:	2023200007
Name of the Paper	:	ELEMENTARY PĀLI GRAMMAR
Name of the Course	:	B.A. (Prog.). Buddhist Studies/DSE-3/NEP-UGCF/22
Semester	:	VII (Students admitted after the year 2019)

Time: 3 Hrs.
समय : 3 घंटें

Full Marks: 90
पूर्णांक : 90

Instructions for the Candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश) **:**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note: **Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.**
टिप्पणी : उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four Questions in all. Question No. 1 is compulsory.
कुल चार प्रश्नों को हल करें। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य हैं।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
   a) Feminine gender (स्त्रीलिंग)
   b) Case functions in Pāli (पालि में विभक्तियों के कार्य)
   c) Verb root "Likh" in past tense ("लिख्" धातु भूतकाल में)
   d) Concept of tense (kāla) in Pāli verbs (पालि क्रियाओं में काल (वर्तमान, भूत, भविष्य) की संकल्पना)

2. Define the Pāli alphabet and explain pronunciation conventions.
पालि वर्णमाला को परिभाषित कीजिए और उच्चारण नियमों को स्पष्ट कीजिए । (20)

3. What are the basic rules of Sandhi in Pāli? Illustrate with examples.
पालि में संधि के मूल नियम क्या हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । (20)

4. Explain the concept of cases and their grammatical functions. (20)
विभक्तियों की अवधारणा और उनके व्याकरणिक कार्यों को स्पष्ट कीजिए ।

5. Describe the use of number and gender in Pāli nouns. (20)
पालि संज्ञाओं में वचन और लिंग के प्रयोग का वर्णन कीजिए ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

6. Translate the following sentences from Pāli into English/Hindi (5 X 4 = 20)
निम्नलिखित वाक्यों का पालि से अंग्रेजी/हिंदी में अनुवाद कीजिए:

a. Vāṇijo nagare vikkiṇāti. (वाणिजो नगरे विक्किणाति।)
b. Kumāro ārāme kīḷati. (कुमारो आरामे कीळति।)
c. Thero suttantaṃ paṭhati. (थेरो सुत्तंतं पठति।)
d. Cakkhuṃ rūpaṃ passati. (चक्खुं रूपं पस्सति।)
e. Vāyuro rukkhāni kampeti. (वायुरो रुक्खानि कम्पेति।)

7. Translate the following sentences from English/Hindi into Pāli: (5 X 4 = 20)
निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी/हिंदी से पालि में अनुवाद कीजिए:

a. The merchant sells fruits in the market. (व्यापारी बाज़ार में फल बेचता है।)
b. The child plays in the garden. (बालक उद्यान में खेलता है।)
c. The teacher explains the lesson to the students. (आचार्य विद्यार्थियों को पाठ समझाते हैं।)
d. The monk meditates in the forest. (भिक्षु वन में ध्यान करता है।)
e. The farmer feeds the oxen in the field. (किसान खेत में बैलों को चारा देता है।)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY